मांगा है भेरूनाथ से, वरदान एक ही

मांगा है मैंने नाथ से, वरदान एक ही॥
तेरी कृपा बनी रहे, जब तक है जिंदगी॥
जिस पर प्रभु का हाथ था, वो पार हो गया॥
जो भी शरण में आ गया, उद्धार हो गया॥
जिसको भरोसा नाथ पर, डूबा कभी नहीं॥

मांगा है भेरूनाथ से, वरदान एक ही॥
तेरी कृपा बनी रहे, जब तक है जिंदगी।

कोई समझ सका नहीं, माया बड़ी अजीब॥
चरणों में जो भी आ गया, है वो ही खुशनसीब...॥
इसकी तो मर्जी के बिना, पत्ता हिले नहीं...॥
तेरी दया बनी रहे... तेरी कृपा बनी रहे...
जब तक है... जिंदगी...
मांगा है भेरूनाथ से... वरदान एक ही...॥

ऐसे दयालु नाथ से, रिश्ता बनाइये॥
मिलता रहेगा आप को, जो कुछ भी चाहिये॥
ऐसा करिश्मा होगा जो, होता कभी नहीं॥
मांगा है भेरूनाथ से... वरदान एक ही...॥
तेरी कृपा बनी रहे... तेरी दया बनी रहे...
जब तक है... जिंदगी...

कहते है लोग जिंदगी, किस्मत की बात है॥
किस्मत बनाना भी मगर, इनके ही हाथ है...॥
बाबा करले यकीन अब, ज्यादा समय नहीं...
ओ.. नाथ करले यकीन अब, ज्यादा समय नहीं...
मांगा है भोलेनाथ से, वरदान एक ही...॥

प्रेषक- दिनेश सैनी

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/35985/title/manga-hai-bherunath-se-vardaan-ak-hi

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |